समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

‘Four Stars of Destiny’ विवाद : दिल्ली पुलिस ने FIR दर्ज की, पेगुंइन ने सफ़ाई दी

Publisher

Published on 10 Feb 2026

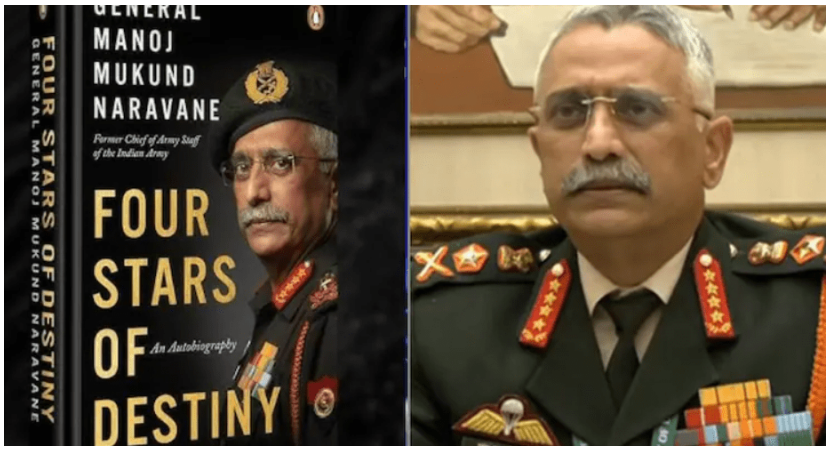

पूर्व भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की आत्मकथा “**Four Stars of Destiny**” को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विवाद तब शुरू हुआ जब कथित रूप से इस **अप्रकाशित किताब की प्रति इंटरनेट पर** फैलती देखी गयी और इसे लेकर **दिल्ली पुलिस ने FIR दर्ज** कर ली है। **पेगुंइन रैडंम हाउस इंडिया** ने स्पष्ट किया है कि पुस्तक **अब तक न तो प्रकाशित हुई है, न ही किसी रूप मे जंारी की गयी है**।

पेगुंइन का बयान : किसी भी स्वरूप मे किताब नहीं आई

प्रकाशक **Penguin Random House India** ने बयान जारी कर बताया कि उनके पास ही इस किताब के **एकमात्र प्रकाशन अधिकार** हैं, लेकिन उन्होंने यह साफ कहा कि **अब तक इससे कोई भी कॉपी — प्रिंट, PDF या डिजिटल — प्रकाशित, वितरित या बेची नहीं गयी है**। यदि कोई ऐसा संस्करण बाहर फैल रहा है, तो वह **अनाधिकृत और कॉपीराइट का उल्लंघन** होगा।

पेंगुइन ने चेतावनी दी है कि ऐसे किसी भी लीक या अवैध संस्करण के खिलाफ **कानूनी कार्रवाई** की जाएगी।

FIR और पुलिस जांच

दिल्ली पुलिस ने **अज्ञात स्त्रोतों से इंटरनेट पर फैल रही किताब की प्रति** के बारे में जानकारी मिलने के बाद **Special Cell** के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पाया कि कुछ वेबसाइटों पर कथित तौर पर किताब का **PDF या टाइप-सेट मैन्युस्क्रिप्ट** उपलब्ध था, जबकि यह अभी तक नीति या जिम्मेदार अधिकारियों से **अनुमोदन नहीं मिला है**। पुलिस ने कहा है कि जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह पन्ने कैसे सार्वजनिक हुए।

संसद मे सियासी उबाल

किताब विवाद संसद तक पहुंच गया है। **लोकसभा मे कांग्रेस नेता राहुल गांधी** ने कथित “अप्रकाशित” किताब की एक प्रति

उठाकर दिखाने की कोशिश की थी, जिससे सदन में तीखी बहस हुई। उन्हें उस किताब के अंश **उद्धृत करने से रोक दिया गया** क्योंकि यह अभी तक **प्रामाणिक रूप से प्रकाशित नहीं हुई थी**। इस मुद्दे पर **आज तक आठ सांसदों को निलंबित** भी किया गया है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जनता को यह किताब दिखनी चाहिए और सरकार इसे **छुपा रही है**। वहीं कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे **प्रकाशन अधिकार और राष्ट्रीय सुरक्षा पर चल रही बहस** कह रहे हैं।

विवाद का मुख्य कारण

पुस्तक में कथित तौर पर 2020 में **भारत-चीन सीमा तनाव (Ladakh standoff)** के समय की घटनाओं का जिक्र है। ऐसे मामलों पर लिखी किताबें अक्सर **रक्षा मंत्रालय या संबंधित इकाइयों की मंज़ूरी** पर निर्भर होती हैं, क्योंकि इनमें **संवेदनशील सामरिक जानकारी** हो सकती है। इस कारण इस किताब को अब तक **आधिकारिक स्वीकृति नहीं मिली है** और विवाद इसी पर उत्पन्न हुआ है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.